Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-205

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य

M.A. Hindi (MAHL-12/16/17)

Second Year, Examination, 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (3×15=45)

1. लोक का अर्थ स्पष्ट करते हुए लोक साहित्य के स्वरूप एवं प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

2. लोक कथाएँ क्या हैं? कुमाऊँनी लोक कथाओं को वगीकृत करते हुए संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. कुमाऊँनी लोकगीतों के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

4. गढ़वाली लोकगाथाओं पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

5. 'लोकोक्ति' या 'कहावत' से आप क्या समझते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (5×7=35)

1. लोक साहित्य के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

2. किसी एक कुमाऊँनी लोकगाथा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. गढ़वाली लोक कथाओं की प्रवृत्तियों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

4. गढ़वाली लोकगीतों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

5. कुमाऊँनी लोक साहित्य की विकास परम्परा को स्पष्ट कीजिए।

6. 'झोड़ा' लोकनृत्य पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

7. कुमाऊँनी आण या पहेली पर टिप्पणी लिखिए।

8. लोक साहित्य को संरक्षित करने के उपायों पर प्रकाश डालिए।